पाठ 10

पुष्यभूति वंश

संगमनगरी इलाहाबाद में माघ, अर्द्धकुम्भ एवं कुम्भ का पर्व मनाया जाता है। इसमें दूर-दूर से लोग आते हैं। आज से लगभग चौदह सौ वर्ष पूर्व हर्ष नाम के राजा भी यहाँ प्रति पाँचवें वर्ष आकर धर्म सभा करवाते थे। यहाँ वह अपनी पाँच वर्ष की संचित सम्पत्ति का दान करते थे।

गुप्तकाल से लगभग सौ वर्षों के बाद उत्तर भारत में एक नई शक्ति का उदय हुआ, जो वर्धनवंश के नाम से प्रसिद्ध था। उसकी राजधानी थानेश्वर (वर्तमान अंबाला जिला) थी। इस वंश का प्रथम राजा प्रभाकरवर्धन था, जिसने हूणों को उत्तर-पश्चिम भारत से बाहर खदेड़ दिया था। इसी वंश में आगे 'हर्ष' नाम का राजा हुए।

ह्वेनसांग

हर्षवर्धन 606-647 ई0

हर्षवर्धन 606 ई0 में गद्दी पर बैठे। उस समय उनकी राजधानी थानेश्वर ही थी। बाद में कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया।

मानचित्र देखकर हर्ष के साम्राज्य विस्तार को लिखिए

.....
.....
.....
.....
.....

हर्ष स्वयं विद्वान थे तथा वह विद्वानों के आश्रयदाता थे। हर्ष ने संस्कृत में तीन नाटकों - नागानन्द, रत्नावली और प्रियदर्शिका की रचना की है। बाणभट्ट हर्ष के दरबारी कवि थे जिन्होंने ''हर्षचरित'' लिखा।

चीनी यात्री ह्वेनसांग (युवान-च्वाड़) उनके शासन काल में आया। ह्वेनसांग 15 वर्षों तक भारत में रहा।

वर्धनकाल, ह्वेनसांग की नजर से

हर्षवर्धन एक प्रजापालक एवं उदार शासक थे। उन्होंने जिन राज्यों पर विजय प्राप्त की थी। उन राजाओं ने हर्ष की अधीनता स्वीकार कर ली। हर्षवर्धन ने अपने सम्पूर्ण साम्राज्य की व्यवस्था के लिए उसे भुक्तियों (प्रांतों), विषयों (जिलों) तथा ग्रामों में विभाजित किया। उसके शासन में अपराध कम होते थे।

अपराध करने वाले को कठोर दण्ड दिया जाता था।

हर्ष का बौद्ध धर्म से लगाव था। उसने कन्नौज में एक विशाल धर्म सभा बुलाई। वह बहुत दानी भी थे। वह हर पाँच साल में प्रयाग के मेले में दान करता था। आइए उसके दान के बारे में पढ़ें -

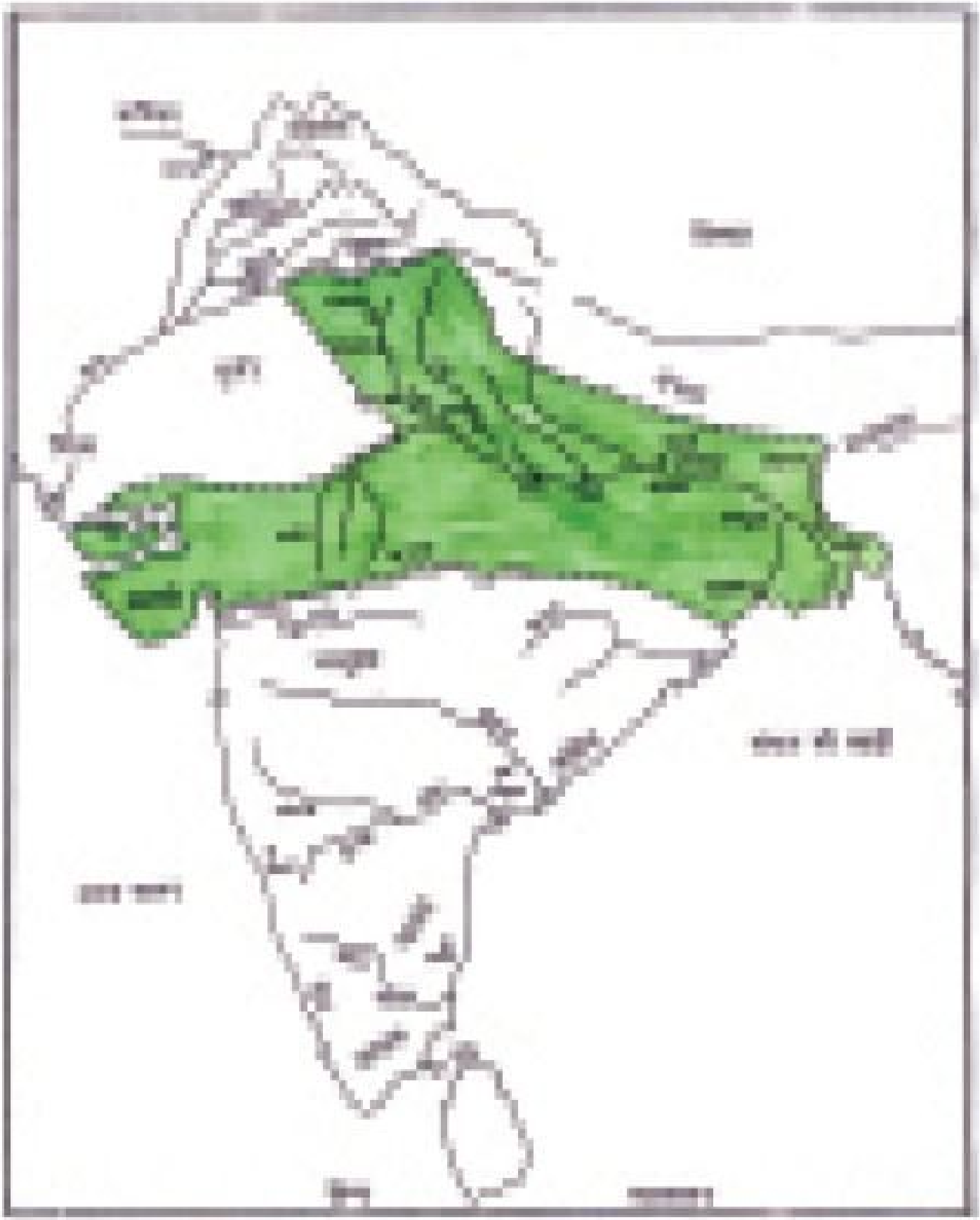

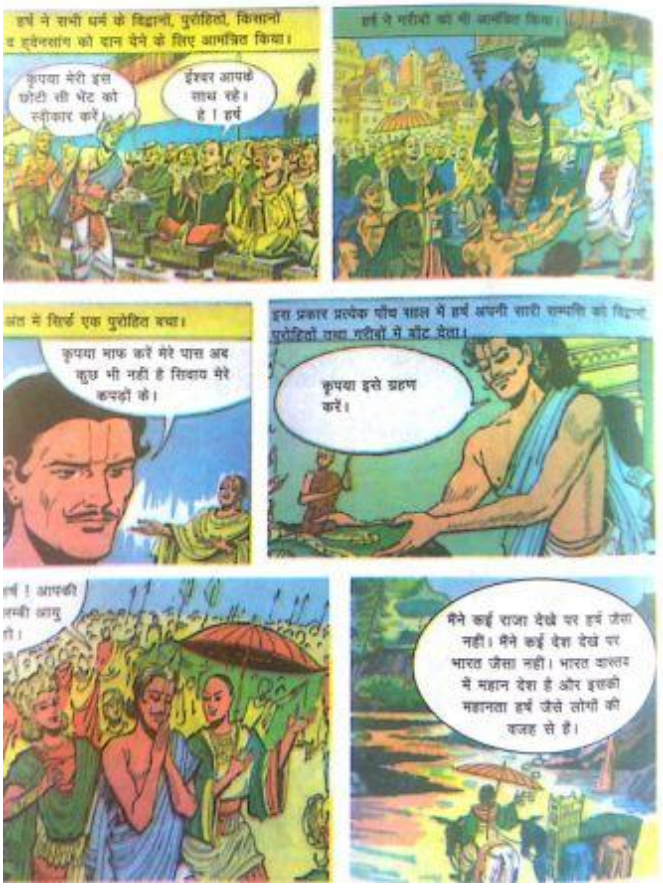

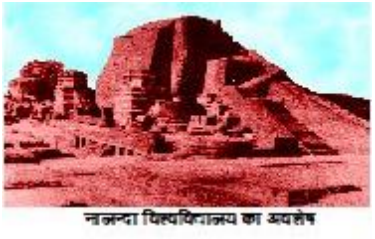
नालन्दा विश्वविद्यालय का अवशेष

647 ई0 में हर्षवर्धन की मृत्यु हो गई उसने लगभग 40 वर्षों तक शासन किया। उसकी मृत्यु के बाद केन्द्रीय शासन सत्ता छिन्न-भिन्न हो गई और उत्तर तथा दक्षिण भारत में छोटे-छोटे राजवंशों की स्थापना हुई।

अभ्यास

1. हर्ष की बहन का क्या नाम था?

2. हर्षवर्धन की राजधानी कहाँ-कहाँ थी ?

3. श्वैन त्सांग ने हर्ष के विषय में क्या लिखा है ?

4. निम्नलिखित का उत्तर दो वाक्यों में लिखिए -

(अ) हर्षवर्धन और बौद्ध धर्म

(ब) शिक्षा के संरक्षक के रूप में हर्षवर्धन

5. सत्य और असत्य बताइए -

(अ) हर्षकालीन इतिहास जानने का मुख्य स्रोत चीनी यात्री फाह्यान का विवरण है।

(ब) हर्ष के दरबारी कवि बाणभट्ट थे।

(स) हर्षवर्धन की राजधानी कन्नौज थी।

(द) हर्षवर्धन के भाई का नाम राज्यवर्धन था।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(अ) वर्धनवंश का प्रथम शासक .....था।

(ब) हर्षवर्धन ने तीन नाटक (1)..... (2).....
(3)..... की रचना की।

(स) हर्षचरित्र के लेखक.....हैं।

(द) हर्षवर्धन की मृत्यु.....ई0 में हुई।

प्रोजेक्ट वर्क

* उत्तर प्रदेश में स्थित विश्वविद्यालयों की सूची बनाइए। ये विश्वविद्यालय किस जिले में है। मानचित्र में अंकित कीजिए।

* नदियाँ हमारे लिए अत्यन्त उपयोगी हैं। नदियों का जल साफ एवं स्वच्छ रहे इस हेतु आप क्या-क्या सुझाव देगें। सूची बनाइए।